बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 182 ● नई दिल्ली ● शनिवार 19 जुलाई 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

रॉबर्ट वाड्रा की बढ़ी मुश्किलें, कोर्ट ने रिकॉर्ड कीपर से मांगी रिपोर्ट, अब 24 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को रॉबर्ट वाड्रा और अन्य के खिलाफ धन शोधन अभियोजन शिकायत पर सुनवाई की। इसे दस्तावेजों के सत्यापन के लिए सूचीबद्ध किया गया है। कोर्ट ने रिकॉर्ड कीपर (अहलमद) से रिपोर्ट मांगी है। मामले को 24 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दलीलों पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। वाड्रा पर आरोप है कि उनसे जुड़ी कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपये में 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। इस सौदे का म्यूटेशन भी असामान्य तरीके से कर दिया गया। आरोप है कि हरियाणा के तत्कालीन भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार ने इस जमीन में से 2.70 एकड़ जमीन को कमर्शियल कॉलोनी के तौर पर डेवलप करने की इजाजत देते हुए रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को इसका लाइसेंस दिया था।

आप नेताओं की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने अलग-अलग घोटालों में दर्ज किया मामला, जल्द होगी पूछताछ

नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी और उनके नेताओं की मुश्किलें बढ़ती दिख रही है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पार्टी के नेताओं के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं. बताया जा रहा है कि ईडी जल्द ही इन मामलों को लेकर आप नेताओं से पूछताछ की भी तैयारी कर रही है. ईडी ने जो मामले दर्ज किए हैं उनमें पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन को आरोपी बनाया गया है. आपको बता दें कि ये घोटाला 5,590 करोड़ रुपये के अस्पताल प्रोजेक्ट्स में घपले और भारी गड़बड़ियों का है. आरोप है कि साल 2018-19 में दिल्ली सरकार ने 24 अस्पताल प्रोजेक्ट्स (11 नए और 13 पुराने अस्पतालों के विस्तार) को मंजूरी दी थी. इनकी लागत थी करीब 5,590 करोड़ रुपये, लेकिन अब ये सारे प्रोजेक्ट्स न तो पूरे हुए और न ही समय पर तैयार हुए. उल्टा इनकी लागत भी कई गुना बढ़ गई ,आरोप है कि इससे पैसों की भारी हेराफेरी हुई है. एक बड़े घोटाले का आरोप लगा ICU अस्पताल प्रोजेक्ट में। इसमें 7 ICU अस्पताल बनने थे, कुल 6,800 बेड के साथ और लागत तय हुई थी 1,125 करोड़ रुपये, जिसे 6 महीने में पूरा करना था। लेकिन 3 साल बीतने के बाद भी सिर्फ 50फीसदी काम हुआ है, जबकि 800 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं. ठेका SAM India Buildwell Pvt Ltd को दिया गया था, जिसकी लागत अब 100त से ज्यादा बढ़ चुकी है। LNJP अस्पताल के नए ब्लॉक की लागत 488 करोड़ से बढ़कर 1,135

करोड़ हो गई, लेकिन अब तक अधूरा है. ज्वालापुरी और मादीपुर अस्पतालों में बिना मंजूरी के अवैध निर्माण हुआ कंपनियां थीं Parnika Commercial और Ramacivil India पॉलीक्लिनिक प्रोजेक्ट में 94 क्लीनिक बनने थे, लेकिन सिर्फ 52 ही बने, और लागत भी 168 करोड़ से बढ़कर 220 करोड़ पहुंच गई। HIMS सिस्टम, जो सरकारी अस्पतालों में पारदर्शिता लाने के लिए जरूरी था, 2016 से अब तक लागू नहीं किया गया। NIC का मुफ्त और असरदार सॉल्यूशन जानबूझकर खारिज कर दिया गया.

सीसीटीवी करप्शन स्कैम

इस केस में पूर्व मंत्री सतेंद्र जैन और अन्य आरोपी है. दिल्ली सरकार ने 2019 में राजधानी के 70 विधानसभा इलाकों में 1.4 लाख CCTV कैमरे लगाने के लिए 571 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट शुरू किया था.

इस प्रोजेक्ट को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और उसके ठेकेदारों को दिया गया था लेकिन समय पर काम पूरा न होने की वजह से दिल्ली सरकार ने BELऔर उसके ठेकेदारों पर 17 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया था. आरोप है कि यह जुर्माना बिना किसी ठोस कारण के माफ कर दिया गया इसके बदले में सत्येंद्र जैन को 7 करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई ,यह रिश्वत उन ठेकेदारों के जरिए दी गई, जिन्हें BELसे आगे का काम मिला था.

दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड घोटाला

इस कथित घोटाले की जांच CBI और ACB कर रही है. इन मामलों में फर्जी फिक्स्ड डिपॉजिट, फर्जी काम, रिश्वतखोरी और शेल्टर होम में घोटाला शामिल हैं. आरोप है कि DUSIB के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में जमा पैसे को बैंक ऑफ बड़ौदा में ट्रांसफर कर फर्जी FDR बनाए गए, जिनकी वैल्यू करीब 207 करोड़ थी. अधिकांश FDR नकली पाए गए, इसके अलावा पटेल नगर में 15 लाख की लेन इंप्रूवमेंट परियोजना में गड़बड़ी का आरोप है, 9 DUSIB अधिकारियों पर आरोप है कि लॉकडाउन के दौरान फर्जी रूप और गुम दस्तावेजों के आधार पर सड़क सुधार का काम दिखाया गया और उसका भुगतान कर दिया गया. घोस्ट वर्कर्स के नाम पर सैलरी दी गई. आरोप है कि ये पैसे बाद में ,आप नेताओं को कमीशन के रूप में वापस दिए गए.

B-2 ब्लॉक के सुल्तानपुरी में गोलगप्पे की रेडीवाले युवक से लूटपाट कर चाकू मारा

नई दिल्ली। (ए. के. चौधरी)बाहरी जिला, सुल्तानपुरी इलाके

में आज दिनांक- 17/07/2025, समय- दोपहर - 03:00 बजे, गोलगप्पे की रेहड़ी लगाने वाले से लूट-पाट की विरोध करने पर चाकुओं से गोद, गली-गली फैरी लगाकर गोलगप्पे बेचता था तभी अचानक एक व्यक्ति आकर रेहड़ी रोक लेता है, दूसरा आकर उसकी जेब तलाशी करने लगता है। पीड़ित धीरेंद्र मंगोलपुरी, ङ ब्लॉक निवासी ने इसका विरोध करता है तो आरोपी धारदार हथियार निकाल कर लूटपाट कर पीड़ित से मारपीट करते हुए बदमाश चाकू निकाल कर पीड़ित पर कई बार मारा, जिसके दौरान चाकू पीड़ित की शरीर में फंस गया। मौका पाकर बदमाश वहाँ से फरार हो गए। सूत्रो से मिली जानकारी पीड़ित को चाकू लगने के बाद गीर गया और गली के लोग वहाँ खड़े तमाशबीन बने रहे, पीड़ित की किसी ने मदद तक नहीं की वारदात की जगह पर काफी देर तक रहा जिससे पीड़ित का काफी खून बह गया। पुलिस को सूचना मिलने के बाद ही बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। इस घटना से सुल्तानपुरी इलाके में दहशत का माहौल बन गया है।

आतिशी का दावा, आप की बढ़ती लोकप्रियता ,बीजेपी बौखलाई

नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है. उन्होंने शुक्रवार (18 जुलाई) को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता ने बीजेपी की नींद उड़ा दी है. बौखलाहट में,क नेताओं पर झूठे मुकदमे लगा रहे हैं. हाल में हुए गुजरात की विसावदर विधानसभा उप-चुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया की जीत हुई है. इसके बाद से पार्टी लगातार गुजरात में कैंपेन कर रही है. उसका फोकस 2027 का विधानसभा चुनाव पर है. आतिशी ने कहा, बीजेपी ने अपनी केंद्रीय जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल फिर से शुरू कर दिया है. फर्जी मुकदमों का सिलसिला एक बार फिर शुरू कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी और ईडी पर टिप्पणी

की थी कि दुर्भावना से काम किया जा रहा है. आतिशी ने ये हमला ऐसे समय में बोला है जब सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने आप सरकार के वक्त हुए तीन अलग-अलग मामलों में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज किए हैं. अस्पताल निर्माण, सीसीटीवी और शेल्टर होम मामले में एफआईआर दर्ज की गई है. इस मामले में आप नेताओं को समन भेजा जा सकता है. उन्होंने कहा, आखिरी ईडी के केस की शुरुआत फिर से क्यों हो रही है. इसका जवाब गुजरात के विसावदर में हुए विधानसभा उप-चुनाव रिजल्ट में छिपा हुआ है. बीजेपी ने हर संभव कोशिश की कि आप को विसावदर के चुनाव में हराया जाए. बेइंतहा पैसा खर्च किया. शराब बांटे गए, आप के कार्यकर्ताओं को डराया गया. कार्यकर्ताओं से सेटिंग की कोशिश की गई. पार्टी के सभी बड़े नेताओं को इस सीट पर लगा दिया गया. दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा, गोपाल इटालिया की जीत के बाद आप का ग्राफ गुजरात में तेजी से बढ़ रहा है. क्योंकि एक तरफ लोग देख रहे है कि पिछले 30 साल से बीजेपी ने गुजरात का बुरा हाल कर दिया है. सूरत में बारिश से बुरा हाल हुआ, स्कूल का बुरा हाल है. सड़कें टूटी हुई है. लोग आप की तरफ उम्मीद से देख रहे हैं. बीजेपी आम आदमी पार्टी से बौखला गई है. यही कारण है कि एजेंसी को आप के खिलाफ लगा दिया गया है. उन्होंने कहा, सीबीआई-ईडी का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है. बीजेपी को बता दूं कि हम फर्जी मुकदमों से डरने वाले नहीं हैं. आप, बीजेपी से लड़ती रही है, लड़ती रहेगी. आप ने एक पैसे की गड़बड़ी नहीं की है. आतिशी ने कहा, आप हमारे काम की जितनी जांच करवानी है, करवा लो. आपको एक पैसे की गड़बड़ी नहीं मिलेगी. आप जितनी भी कोशिश कर लो, बीजेपी को गुजरात में हराएंगे.

15 अगस्त के बाद मिलेगा बीजेपी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी स्वतंत्रता दिवस के बाद पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मत उम्मीदवार की घोषणा करने वाली है। नए अध्यक्ष के चयन में देरी से पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी अटकलों का दौर है। भाजपा के वैचारिक मार्गदर्शक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कथित तौर पर संगठनात्मक अनुभव और पार्टी के भीतर तटस्थ रुख रखने वाले उम्मीदवार पर आम सहमति बनाने की सलाह दी है। सूत्रों ने यह भी बताया कि भाजपा ने चार संभावित उम्मीदवारों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिनमें से सभी के पास संगठनात्मक अनुभव है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, धर्मेंद्र प्रधान, शिवराज सिंह चौहान और वरिष्ठ भाजपा नेता बीडी शर्मा इस पद के लिए सबसे आगे बताए जा रहे हैं क्योंकि वे इस पद के लिए आवश्यक योग्यताएँ पूरी करते हैं। पार्टी पहले अपनी केंद्रीय परिषद की बैठक बुलाकर विचाराधीन नामों में से किसी एक पर आम सहमति बनाने की तैयारी कर रही है। एक वरिष्ठ सूत्र ने गुरुवार शाम कहा कि अब यह लगभग तय लग रहा है कि पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की घोषणा 15 अगस्त के बाद की जाएगी। इस बीच, नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी डॉ. के. लक्ष्मण ने मीडिया को बताया कि उत्तर प्रदेश, गुजरात समेत 10 राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो रहे हैं और इसलिए उम्मीदवार के नाम की घोषणा के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा, -लेकिन जल्द ही 10 लाख से ज्यादा बूथों पर व्यापक मतदान के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पूरा हो जाएगा।- उन्होंने यह भी बताया कि सभी स्तरों पर कुल 10 लाख संगठनात्मक मतदान केंद्रों में से अब तक लगभग 7.5 लाख बूथ प्रभारियों की नियुक्ति की जा चुकी है।

मंत्री कपिल मिश्रा के इलाके में बिजली कटौती... गर्मी से लोगों का बुरा हाल; अफसरों की बुलाई बैठक

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली में करावल नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक व दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के क्षेत्र में बिजली कटौती से स्थानीय लोग परेशान हैं। लोगों की परेशानी को देखते हुए मंत्री ने बीएसईएस के अधिकारियों की बैठक बुलाई। मंत्री कपिल मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि करावल नगर विधानसभा क्षेत्र में बिजली कटौती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गर्मी में बढ़ती हुई बिजली की मांग को देखते हुए करावल नगर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाएं और पुराने ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाए। इससे बिजली आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो। बिजली नागरिकों का बुनियादी अधिकार है। दिल्ली सरकार हर नागरिक को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बिजली कटौती की वजह अधिकारियों ने तकनीकी खामी व बुनियादी ढांचे की कमी बताई। करावल नगर विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि दिल्ली व उत्तर प्रदेश सीमा विवाद में आ रही मीटर की समस्याओं का भी समाधान किया जाए।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, अगले छह दिन मौसम रहेगा सुहावना; रुक-रुककर पड़ती रहेंगी फुहारें

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे से बारिश शुरू हुई। सुबह से ही हल्की हवा चल रही थी। आसमान में कभी धूप तो कभी बादल छाए हुए थे। बारिश से लोगों को राहत मिली है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम अगले छह दिन तक सुहावना रहने का अनुमान है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली के साथ ही एनसीआर के शहरों में इस हफ्ते रुक-रुक कर फुहारें पड़ती रहेंगी। इस बीच एक दिन झमाझम बारिश का भी अनुमान है।

सुप्रीम कोर्ट ने निमिषा प्रिया मामले पर सुनवाई टाली, सरकार बोली- हरसंभव मदद कर रहे

नई दिल्ली। यमन में फांसी की सजा पाई भारतीय नर्स निमिषा प्रिया मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 14 अगस्त तक टाल दी है। शुक्रवार को इस मामले पर हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि वे निमिषा प्रिया मामले में हरसंभव मदद कर रहे हैं। यमन में एक व्यक्ति की हत्या के आरोप में निमिषा को मौत की सजा सुनाई गई है। निमिषा को 16 जुलाई को मौत की सजा मिलनी थी। हालांकि सरकार के प्रयासों और केरल के एक मुस्लिम धर्मगुरु की मदद से निमिषा प्रिया की फांसी की सजा फिलहाल टाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट को शुक्रवार को सूचित किया गया कि यमन में हत्या के आरोप में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि इस मामले में नर्स को बचाने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि प्रिया सुरक्षित वापस आ जाए। पीठ ने भी इसे स्वीकार किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि निमिषा को पहले मृतक महदी के परिजनों से क्षमादान प्राप्त करना होगा और फिर उसके बाद ब्लड मनी का मुद्दा आएगा। याचिकाकर्ता ने अदालत को सूचित किया कि फांसी स्थगित कर दी गई है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 14 अगस्त तक के लिए टाल दी। याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि सरकार हरसंभव राजनयिक माध्यमों से 38 वर्षीय भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को बचाए। साथ ही सरकार से मांग की गई है कि एक समिति गठित की जाए, जो निमिषा प्रिया को बचाने के लिए यमन की सरकार से बात करे। केरल के पलक्कड़ जिले की निवासी निमिषा प्रिया को 2017 में अपने यमन के निवासी बिजनेस पार्टनर की हत्या का दोषी ठहराया गया था। उसे 2020 में मौत की सजा सुनाई गई और उसकी अंतिम अपील 2023 में खारिज हो गई। निमिषा फिलहाल यमन की राजधानी सना की जेल में कैद है।

रूसी महिला और बेटे का अब तक कोई सुराग नहीं, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया; जारी हुआ लुकआउट नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में एक रूसी महिला द्वारा अपने चार साल के बेटे को लेकर लापता होने के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि महिला ने देश को किसी वैध रास्ते से नहीं छोड़ा है, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। यह मामला एक भारतीय पिता और रूसी मां के बीच बच्चे की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ा है। केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि गृह मंत्रालय ने पूरे देश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को महिला को ढूंढने के लिए लुकआउट नोटिस और ह्यु एंड क्राय नोटिस जारी किए हैं। महिला और बच्चा अभी भी लापता हैं और उन्हें ढूंढने के प्रयास जारी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और उनकी पीठ ने सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-एनसीआर के सभी रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं से संपर्क कर महिला की संभावित आवाजाही की जांच करें।

कोर्ट ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज की भी तत्काल जांच की जाए ताकि महिला और बच्चे की लोकेशन का पता चल सके। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हमें बहुत जल्दी कुछ करना होगा। महिला और बच्चे की सुरक्षा को लेकर स्थिति चिंताजनक है। वहीं, कोर्ट ने सुनवाई को सोमवार 21 जुलाई तक के लिए टाल दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को यह भी बताया गया कि महिला 5 जुलाई को एक घंटे के लिए रूसी दूतावास गई थी। वहां उसने अपने भारतीय पति के खिलाफ शिकायतों को लेकर कानूनी मदद मांगी थी। दूतावास के अधिकारियों ने यह जानकारी भारत सरकार को एक व्हाट्सएप संदेश के जरिए दी है और मामले में सहयोग कर रहे हैं। अदालत को यह भी बताया गया कि महिला का संपर्क रूस में मौजूद अपने परिवार से भी टूट गया है। महिला का अपने परिजनों से भी कोई संपर्क संभव नहीं हो पा रहा है।

सरकार का मकसद खाद्य पदार्थों में छिपे अतिरिक्त चीनी व तेल के हानिकारक सेवन के विकल्प से जागरूक कराना है

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के हर देश के विद्वान से लेकर साधारण आम व्यक्ति को यह मानना पड़ेगा कि अर्ध सत्य, झूठ से भी अधिक खतरनाक व हानिकारक होता है इसीलिए किसी भी आदेश/निर्देश/ जानकारी या बातचीत का पूरा सत्य, इसका उद्देश्य,पारदर्शिता जानना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे है,क्योंकि पिछले तीन दिनों से मैं एडवोकेटकिशन सन्मुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया में लगातार आर्टिकल्स, डिबेट विश्लेषण देख सुन व पढ़ रहा हूं कि समोसा जलेबी कचौरी फैन पकोड़ा बहुत नुकसान कारक है,उससे बीमारियां होती है केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इन खाद्य उत्पादों पर चेतावनी निर्देश जारी करने का निर्देश दिया है इसलिए मैं पिछले दो दिनों से लगातार इसपर रिसर्च कर अपना यह आर्टिकल तैयार किया हूं। असल में यह बात शुरू हुई है पीएम की अपील से हुई, उन्होंने 28 जनवरी 2025 को देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में फिट इंडिया मूवमेंट की बात करते हुए नागरिकों से अपील की थी कि वे तेल की खपत में 10 फीसदी की कमी करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। उन्होंने अपने कार्यक्रम %मन की बात% में भी यह संदेश दिया था कि भारत को %स्वस्थ भारत% बनाना है और यह बदलाव आम लोगों की आदतों से ही आएगा। फिर ग्लोबल बर्डन आफ डिजीज (जीबीडी) रिपोर्ट 2025 में भी बताया गया कि भारत में 2021 में 18 करोड़ वयस्क मोटापे के शिकार थे जो यह आंकड़ा 2050 में बढ़कर 44.9 करोड़ तक पहुंच सकता है? हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने जून 2025 में सभी स्कूलों/दफ्तरों/संस्थानों में खाने-पीने की लोकप्रिय चीजों जैसे पिज्जा बर्गर समोसा वड़ा पाव कचौरी इत्यादि में मौजूद तेल में चीनी की मात्रा दिखाने वाले बोर्ड लगाने का प्रस्ताव/निर्देश दिया था। फिर 14 मई 2025 को शिक्षा मंत्रालय ने सीबीएसई स्कूलों में शुगर बोर्ड लगाने का निर्देश दिया था अब यह उसको विस्तारित कर तेल बोर्ड लगाने का निर्देश 2 दिन पूर्व ही दिया है। यानी कुल मिलाकर यह पूरी कवायद खाद्य पदार्थों में,चीनी तेल की मात्रा को रेखांकित कर उसका विकल्प चुनकर खाने व अपनी जीवनशैली से जुड़ी तेजी से बढ़ती हुई बीमारियों व मोटापे को नियंत्रण में रखना व निपटने का एक सुझाव मात्र है, नाकि कोई जोर जबरदस्ती है, यदि इस सुझाव को पढ़ने वाला उसे नहीं मानता तो, उसकी मर्जी है। बस! यही इस मुद्दे का सार है। परंतु इसे मीडिया के माध्यम से विवादित बनाया जा रहा है,ऐसा मेरा मानना है। चूंकि भारत में जीवनशैली से जुड़ी तेजी से बढ़ती बीमारियों व मोटापे से निपटने के लिए केंद्र सरकार की नई पहल आई है,इसके निर्देश जारी कर दिए गए है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से,इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सरकार का निशाना, समोसा जलेबी कचौरी नहीं बल्कि खाद्य पदार्थों में छिपे,अतिरिक्त चीनी व तेल केहानिकारक सेवन के विकल्प से जागरूक कराना है। साथियों बात अगर हम तेल चीनी बोर्ड लगाने के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेश/निर्देश को समझने की करें तो स्वास्थ्य मंत्रालय के मुख्य सचिव ने सभी विभागों को -तेल और चीनी बोर्ड- लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और मोटापे तथा गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए, देश भर के केंद्रीय संस्थानों में लागू किया जाएगा। इन -तेल और चीनी बोर्डों नाश्ते में मौजूद वसा और चीनी की मात्रा को दर्शाया जाएगा, जिससे लोगों को जंक फूड के बारे में जानकारी मिल सके।उद्देश्य-इस पहल का मुख्य उद्देश्य, लोगों को उनके दैनिक भोजन में मौजूद वसा और चीनी की मात्रा के बारे में जागरूक करना है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें।कार्यान्वयन-ये बोर्ड, स्कूलों, कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों और कैंटीन में लगाए जाएंगे, ताकि लोगों को इन खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी मिल सके।डिजिटल डिस्प्ले-कुछ संस्थानों में, इन बोर्डों को डिजिटल रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक यह जानकारी पहुंच सके।अन्य उपाय-इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों को आधिकारिक स्टेशनरी और प्रकाशनों पर स्वास्थ्य संदेश छापने का भी निर्देश दिया है, ताकि मोटापे से लड़ने के लिए दैनिक अनुस्मारक दिया जा सके।स्वस्थ भोजन को बढ़ावा- मंत्रालय ने कार्यालयों में स्वस्थ भोजन विकल्पों को बढ़ावा देने और शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए भी कदम उठाए है, जैसे कि सीढ़ियों का उपयोग करने और पैदल चलने के मार्गों की सुविधा प्रदान करना फिट इंडिया मूवमेंट-यह पहल,फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। साथियों बात अगर हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारासभी मंत्रालयों को लिखे पत्र की करें तो, केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों को हाल ही में लिखे एक पत्र में कहा गई, हम विभिन्न स्थानों पर स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को बढ़ावा देने के लिए चीनी और तेल बोर्ड पहल का प्रदर्शन करने का प्रस्ताव दिए जा रहे है। ये बोर्ड स्कूलों, कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों आदि में रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में छिपे वसा और चीनी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करते हुए दृश्य व्यावहारिक संकेत के रूप में काम करेंगे। यह अभियान सबसे पहले नागपुर में शुरू किया जा रहा है, जहाँ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) इस पहल के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगा।स्वस्थ विकल्पों को प्रोत्साहित करते हुए,सरकारी विभागों से मोटापे से लड़ने के दैनिक अनुस्मारक को सुदृढ़ करने के लिए सभी आधिकारिक स्टेशनरी और प्रकाशनों पर स्वास्थ्य संदेश छापने का अनुरोध किया। अपने पत्र में, स्वास्थ्य सचिव ने द लैंसेट में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें अनुमान लगाया गया था कि 2050 तक लगभग 45 करोड़ भारतीय अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हो सकते है। इसका मतलब है कि सदी के मध्य तक, चीन के बाद, भारत में दुनिया में दूसरे सबसे अधिक अधिक वजन और मोटे लोग होने की संभावना है। नागपुर में अब लोकप्रिय फूड स्टॉल्स के पास कैलोरी काउंट पोस्टर लगा होगा, जिसमें चीनी, वसा और ट्रांस-फैट की मात्रा के बारे में स्पष्ट जानकारी होगी। इसमें बार-बार सेवन से होने वाले दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों की रूपरेखा होगी। ये चेतावनियाँ प्रत्यक्ष और जागरूकता पैदा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसका उद्देश्य संयम को बढ़ावा देना है, प्रतिबंध को नहीं। इस अभियान का इस साल के अंत में अन्य शहरों में विस्तार होने की उम्मीद है और हमे उम्मीद है कि यह कदम लोगों को अधिक सोच-समझकर भोजन चुनने के लिए प्रोत्साहित करेगा।समोसे, पकौड़े, चाय-बिस्कुट या जलेबी में कितना तेल, चीनी और ट्रांस फैट मौजूद है?

इसकी जानकारी अब आपको मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी सरकारी विभागों से अपने कैफेटेरिया, लॉबी और मीटिंग रूम में ऐसी जानकारी प्रदर्शित करने के निर्देश दिए है। यह जानकारी लोकप्रिय भारतीय स्नैक्स के स्वास्थ्य जोखिमों को उजागर करने के लिए है, खासकर ऐसे समय में जब देश भर में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ती जा रही है। साथियों बात अगर हम वर्तमान खाद्य परिवेश के संबंध में डब्लूएचओ के विचारों की करें तो, एक नए अध्ययन से पता चलता है कि भारत में मधुमेह का प्रमुख कारण अति-प्रसंस्कृत और फास्ट फूड का सेवन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि वर्तमान खाद्य परिवेश, जिसमें बहुत से लोग रहते है, काम करते है और अपना दैनिक जीवन व्यतीत करते है, में अत्यधिक प्रसंस्कृत और आसानी से उपलब्ध खाद्य पदार्थ शामिल हैं जिनमें अस्वास्थ्यकर वसा, शर्करा और सोडियम की मात्रा अधिक होती है। इनमें से कई खाद्य पदार्थों का विपणन भी बहुत अधिक होता है और वे अपेक्षाकृत सस्ते भी होते हैं।परिणामस्वरूप, उपभोक्ताओं को अक्सर स्वस्थ भोजन से संबंधित निर्णय लेने में चुनौती का सामना करना पड़ता है। अस्वास्थ्यकर आहार अब वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम में अग्रणी, मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग, स्ट्रोक और कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों में योगदान दे रहा है। साथियों बात अगर हम सीबीएसई द्वारा अपने सभी स्कूलों में तेल बोर्ड लगाने के आदेश की करें तो, देश में बढ़ते मोटापे को देखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एक बड़ा कदम उठाया है। मंगलवार को सीबीएसई के निदेशक ने सभी स्कूल प्रमुखों को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि वे अपने स्कूलों में 'ऑयल बोर्ड' लगाएं और छात्रों के बीच स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दें। यह कदम 14 मई 2025 को जारी 'शुगर बोर्ड' से संबंधित सर्कुलर का ही विस्तार है। अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि -सरकार का निशाना, समोसा जलेबी कचौरी नहीं बल्कि खाद्य पदार्थों में छिपे,अतिरिक्त चीनी व तेल केहानिकारक सेवन के विकल्प से जागरूक कराना है, सभी मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्त संस्थानों को निर्देश जारी-समोसा कचौरी फैन पकोड़ा इत्यादि में कितना तेल व शुगर है, बोर्ड लगाकर दर्शाएं।

‘उड़ता पंजाब’ ही नहीं, शुभमन पंजाब

पिछले कुछ दिन बुरी खबरों से भरे रहे हैं। एअर इंडिया का विमान गिर गया, गुजरात में पुल गिर गया, मंडी में भूस्खलन में सारा परिवार बह गया केवल एक 11 महीने की बच्ची बची है जो अपनी मां के लिए लगातार रो रही है। जैगुआर विमान गिर गया, दो पायलट मारे गए। रेप की खबरें कोलकाता से चेन्नई तक रोज़ाना आ रही है। जगह-जगह से हत्या के समाचार मिल रहे हैं। समाज के मूल्य किस तरह लड़खड़ा रहे हैं यह हरियाणा से दो समाचारों से पता चलता है। गुरुग्राम में अपनी बेटी की सफलता और आज़ादी की तमन्ना से परेशान पिता ने ही उसकी हत्या कर दी। हिसार में दो स्कूली छात्रों ने चाकू मार-मार कर अपने प्रिंसिपल की हत्या कर दी। यह वही हरियाणा है जहां बाप-बेटी के सही रिश्ते पर ब्लाक बस्टर फिल्म 'दंगल' बनी थी। मुम्बई में उन लोगों को थप्पड़ मारे जा रहे हैं जिन्हें मराठी नहीं आती जबकि मुम्बई में केवल 36 प्रतिशत लोगों नें ही मराठी को अपनी मातृभाषा बताया है। बिहार के चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग ने आधार कार्ड, राशन कार्ड और अपना कार्ड को पहचान मानने से इंकार कर दिया है। अगर चुनाव आयोग का नागरिकता का मापदंड लागू हो गया तो लाखों लोग वोट देने के अपना मूल अधिकार से वंचित हो जाएंगे। पंजाब के लिए पिछले कई दशक बहुत कष्टदायक रहे हैं। हम मिलिटैंसी से निकले तो नशे में फंस गए। 'चिट्टे' ने हमारे समाज को तबाह कर दिया। अब मान सरकार गम्भीरता दिखा रही है और बड़े मगरमच्छ पकड़ रही है पर लगता है बहुत देर हो चुकी है। जो भाग सकता है, वह युवक पंजाब से भाग रहा है। कई डंकी रूट से विदेश गए हैं, कई रास्ते में फंस चुके हैं। अब बाहर जाने के रास्ते बंद हो रहे हैं इसलिए क्राइम बहुत बढ़ गया है। विदेश में बैठे गैंगस्टर फिरौती के लिए यहां गोलियां चलवा रहे हैं। हाल ही में अबोहर में दिनदहाड़े मशहूर कपड़ा कारोबारी को 10 गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या की ज़िम्मेवारी अमेरिका में बैठे किसी गैंगस्टर ने ली है। मोगा में अभिनेत्री तानिया के पिता को उनके क्लीनिक में हत्या कर दी गई। नशे और क्राइम का गहरा रिश्ता है। शहरों से छीना झपटी की खबरें रोज़ाना मिलती है। खेती लाभदायक नहीं रही जिससे देहात में असंतोष है। बेरोज़गार, पढ़े लिखे या अनपढ़, युवक किसी भी समाज के लिए चुनौती हैं। लम्बे चले किसान आंदोलन के दौरान धरनों और बंद सड़कों के कारण निवेशक यहां नहीं आ रहा। अनिश्चितता के वातावरण में निवेश नहीं होता। ऊपर से केन्द्र सरकार का रवैया सहयोग पूर्ण नहीं है। पंजाब को परेशान नहीं किया जा रहा, पर पंजाब को उबारने के लिए भी कुछ नहीं किया जा रहा। पंजाब के गंदे, प्रदूषित, अराजक शहर हमारी दास्तां बयां करते हैं। गैंगस्टर के महिमामान के कारण कई युवक क्राइम की तरफ़ आकर्षित हुए हैं। पंजाबी सिंगर के एक वर्ग ने प्रदेश के युवकों को गलत रास्ते पर डालने का शर्मनाक काम किया है। यह गुमराह युवक समझते नहीं कि एक बार इसमें फंस गए तो वापसी नहीं है। इस निराशाजनक परिदृश्य में एक नौजवान ने अपनी मिसाल से संदेश दिया है कि सब कुछ खत्म नहीं हो गया। अभी भी पंजाब के युवाओं में देश का नेतृत्व करने की क्षमता है।

वह युवक उस क्षेत्र से है जहां कृषि मुख्य व्यवसाय है। मुम्बई ने सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी दिए। दिल्ली ने विराट कोहली और वीरेन्द्र सहवाग दिए। यहां हर किस्म की सुविधा उपलब्ध है। खेल का माहौल उपलब्ध है पर फाज़िल्का से निकल कर देश के क्रिकेट के क्षितिज पर छा जाना मामूली बात नहीं है। इस युवक की अपार सफलता यह संदेश है कि अगर परिवार की सपोर्ट हो और खुद मेहनत करने का जज़्बा हो तो कहीं भी पहुंचा जा सकता है। जो पंजाब अच्छी खबर के लिए बेताब है, उसे दुनिया को बताने के लिए शुभमन गिल मिल गया। यह 'उड़ता पंजाब' ही नहीं, शुभमन पंजाब भी है। भारत के नए क्रिकेट कप्तान का सम्बंध पंजाब के मालवा क्षेत्र से है। फाज़िल्का ज़िले के गांव चक जैमलसिंह वाला ने देश को नया सितारा दिया है। 25वर्ष की आयु में शुभमन गिल नए रिकार्ड लिख रहा है, नया इतिहास रच रहा है। वह देश के उस हिस्से से है जो बड़े-बड़े गैंगस्टर और तस्कर देने के लिए कुख्यात है। गैंग वॉर आम है पर शुभमन का निशाना एके 47 से नहीं, क्रिकेट के बैट से है। द ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार 'फाज़िल्का, मुक्तसर, मोगा और फरीदकोट के 50 किलोमीटर के दायरे में पिछले दो दशक में सबसे बड़े गैंगस्टर पैदा हुए हैं'। इसीलिए शायद परिवार अपने बेटे की प्रतिभा को देखते हुए उसे मोहाली ट्रेनिंग के लिए निकाल ले गया था। पिता लखविन्दर सिंह की लगन और बेटे के कैरियर के प्रति समर्पण ने शिखर पर पहुंचा दिया। दादा दीदार सिंह गिल का कहना है कि लखविन्द ने अपने बेटे को केवल सफल क्रिकेटर बनने का लक्ष्य दिया था। बेटे ने न बाप को निराश किया, न देश को। लाला अमरनाथ और बिशन सिंह बेदी के बाद शुभमन पंजाब से तीसरा कप्तान है। उसके नेतृत्व में भारतीय टीम ने एक टैस्ट मैच में 1000 रन पार किए। 58 सालों में पहली बार हमारी टीम एजबेस्टन में जीती है और यह जीत भी विशाल 336 रन की थी। रिकार्ड तो बहुत तोड़े गए। सुनील गावस्कर के बाद शुभमन गिल पहले भारतीय कप्तान है जिसने एक ही टैस्ट मैच में डबल सैंचरी और सैंचरी मारी है। विराट कोहली के कप्तान के तौर पर पहले दो मैचों में तीन सैंचरी के रिकार्ड की भी बराबरी की गई। बहुत महत्वपूर्ण है कि इस बात का जवाब मिल गया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के बाद कौन? शुभमन गिल गरिमापूर्ण है, विनम्र है, एक रोल मॉडल लगता है। अपनी पर्सनालिटी से भी वह देश को आकर्षित कर रहा है। पुराने घाघ खेल पत्रकार भी उसकी 'स्माइल' की चर्चा कर रहे हैं।

लार्ड्स में ज़रूर दो बार आपा खोया है पर कप्तानी का बोझ हल्का नहीं होता। सारे देश की आशाएं उसके जवान कंधों पर सवार हैं। मैदान में वह छलांगे नहीं लगाता। विराट कम, रोहित अधिक लगता है। न ही उससे यह उम्मीद है कि जीत पर वह कमीज़ उतार कर उस तरह गाली निकालते लहराएगा जैसे सौरभ गांगुली ने लार्ड्स में किया था। वरिष्ठ खेल पत्रकार प्रदीप मैगज़ीन ने लिखा है, कप्तानी की कला चीखना-चिल्लाने की ही नहीं है। यह शांत रह कर दूसरों की राय को रद्द किए बिना नेतृत्व देने की है। इंग्लैंड का दौरा आसान नहीं होता। इतिहास की छाया पड़ती है। इंग्लैंड से जीत कर वही आनन्द आता है जो पाकिस्तान से जीत कर आता है। और यह दौरा तो स्वदेश में कई हार के बाद आया है। टीम में भी तीन ही वरिष्ठ खिलाड़ी है, राहुल, जडेजा और बुमराह। बहुत खिलाड़ी अनुभवहीन हैं। कुछ दबाव के तले सही प्रदर्शन नहीं कर सके पर कप्तान ने पहले और दूसरे मैच में बढ़िया प्रदर्शन कर रास्ता दिखा दिया। पंजाब के एक छोटे से गांव से आए इस नौजवान ने अलग प्रांतों, भाषाओं और स्वभाव वाले 10 दूसरे खिलाड़ियों को एक जबरदस्त टीम में परिवर्तित कर दिया। लार्ड्स में हम हारे पर अंत तक संघर्ष किया। शुभमन के बारे अधिकतर अंग्रेज़ी का शब्द 'काल्म' और 'मैच्योर'का इस्तेमाल किया जाता है, शांत और परिपक्व। युवराज सिंह एक और पंजाबी क्रिकेटर जिसने खूब नाम कमाया और जिसके इंग्लैंड के खिलाफ छह छिक्के आज तक याद किए जाते हैं, ने लिखा है =शुभमन गिल ने अपनी आयु से अधिक परिपक्वता दिखाई है=। जोस बटलर जिसने शुभमन के नीचे गुजरात टाइटन में आईपीएल खेला है ने बताया है, =बहुत प्रभावशाली खिलाड़ी है,व काफी काल्म रहता है=। विराट कोहली को मीडिया 'किंग कोहली' कहता था, शुभमन को प्रिंस कहा जा रहा है। विराट ने उसे 'स्टार बॉय' कहा है। स्टार तो वह बन चुका है पर बॉय वह नहीं रहा। इंग्लैंड में खेलना किसी को भी परिपक्व बना सकता है। दोनों का स्वभाव अलग है चाहे दोनों पंजाबी मूल के हैं। कोहली की आक्रामकता नज़र आती थी, शुभमन अधिक शांत है। पहली पारी में 269 और दूसरी में 161 बना कर शुभमन ने अपनी धाक जमा दी है। शुभमन के 269 जो किसी भी भारतीय कप्तान के सबसे अधिक है, विराट कोहली का दक्षिण अफ्रीका में मारे 254 को पछाड़ गए है। रिकार्ड और भी हैं। विराट कोहली ने भी लिखा है, =इतिहास को दोबारा लिखा जा रहा है। आगे आगे बढ़ते जाओ। तुम इसके लायक हो'। यह तो स्पष्ट है कि शुभमन महानता का उत्तराधिकारी है। नेतृत्व की क्षमता उसने पर्याप्त दिखा दी है। पर क्रिकेट टीम की कप्तानी बेड आफ रोज़ज़, गुलाब की सेज नहीं है। लार्ड्स में हार बताती है कि सब कुछ समतल नहीं होगा। उतार चढ़ाव सब कप्तान के नसीब का हिस्सा रहते है। पर अभी तो खुशी है कि हमें अपना प्रिंस मिल गया। इसी के इर्द-गिर्द नई टीम तैयार हो रही है। विशेष प्रसन्नता है कि यह प्रतिभाशाली युवक पंजाब से है। इसी में बाकी देश के लिए यह संदेश भी छिपा है कि पंजाब में केवल ड्रग्स, क्राइम, गैंगस्टर या धरने ही नहीं होते। हम कप्तान भी देते हैं।

सम्पादकीय...

अमेठी की तुलसी

जब तक राजीव गांधी जीवित रहे, उत्तर भारत में 'अमेठी' एक जादुई नाम माना जाता था। सख्त निर्देश थे कि अमेठी से आने वाले किसी भी व्यक्ति को 10, जनपथ (जो उस समय राजीव गांधी का निवास था) के द्वार पर रोका न जाए। यही स्थिति प्रधानमंत्री निवास, रेस कोर्स रोड (अब लोक कल्याण मार्ग) पर भी थी। चूंकि अमेठी प्रधानमंत्री की संसदीय सीट थी, इसलिए वहां के लोगों को स्वतः ही विशिष्ट व्यक्ति माना जाता था लेकिन यह कोई 40 साल पुरानी बात है। वही अमेठी, जो कभी कांग्रेस की शान मानी जाती थी, समय के साथ उपेक्षित हो गई और उसकी चमक फीकी पड़ गई। राजीव गांधी के चुनाव हारने और विपक्ष में चले जाने के बाद यह क्षेत्र वीआईपी दर्जा भी खो बैठा और वहां के लोग राजनीतिक रूप से जैसे अनाथ हो गए। और फिर 2019 में उन्होंने कांग्रेस के पहले परिवार को एक कड़ा संदेश दिया- यह रोष, निराशा और विश्वासघात का नतीजा था। वह क्षेत्र जिसने राजीव गांधी की हत्या के बाद भी अधिकतर चुनावों में गांधी परिवार को जिताया था, खुद को उपेक्षित महसूस कर रहा था और उसने यथास्थिति को बदलने का फैसला किया। तभी भाजपा की स्मृति ईरानी ने प्रवेश किया और उनकी जीत की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि उन्होंने गांधी परिवार के गढ़ में एक गांधी को हराया। राहुल गांधी, स्मृति ईरानी से हार गए। इसलिए जब 2024 में स्मृति ईरानी के खिलाफ किशोरी लाल शर्मा जैसे अपेक्षाकृत अनजान चेहरे को उतारा गया, जो एक केंद्रीय मंत्री और सिटिंग सांसद के सामने नगण्य लग रहा था, तब किसी को उम्मीद नहीं थी कि वह जीतेंगे लेकिन उन्होंने जीत दर्ज की। सिर्फ अमेठी ही नहीं हारी, बल्कि स्मृति ईरानी 2019 में मिले =जायंट स्लेयर= (दिग्गज को हराने वाली) के तमगे से भी हाथ धो बैठीं। इस बार हालात पलट चुके थे। 2024 की जीत के बाद किशोरी लाल को ही =जायंट स्लेयर= कहा जाने लगा, वही व्यक्ति जिसे ईरानी ने कभी 'गांधी परिवार का सेवक' कहा था। आलोचकों ने उन्हें गांधी परिवार का वफादार, यहां तक कि पूरी तरह समर्पित बताया, जो कांग्रेस के पहले परिवार को खुश करने के लिए किसी भी हद तक झुक सकता है। किशोरी लाल ने इन आरोपों को नकारा नहीं, बल्कि खुले तौर पर गांधी परिवार के प्रति अपनी कृतज्ञता जताई। उन्होंने मीडिया से कहा =आज मैं जो कुछ भी हूं, उन्हीं की वजह से हूं। गांधी परिवार ने हमेशा मेरा साथ दिया। उन्होंने मुझे चुना, मेरी निष्ठा का मूल्य समझा और मुझे यह सम्मान दिया। मैं कभी नहीं भूल सकता कि उन्होंने मेरे लिए क्या किया है= ईरानी ने उन्हें 'गांधी परिवार का सेवक' कहकर तंज कसा था। उनके विरोधियों ने उन्हें 'कठपुतली' करार दिया। इसे आप चाहे वफादारी कहें, अधीनता, भक्ति, समर्पण या फिर एल.के. आडवाणी के शब्दों में 'झुकने को कहा गया तो रेंगने को तत्पर' लेकिन किशोरी लाल अपनी निष्ठा को लेकर स्पष्ट हैं। उनका कहना है -मुझे उस परिवार में अपनी बात कहने का हक है और वे यह कहकर यह भी नकारते हैं कि वे केवल एक 'रबर स्टैम्प' हैं।

एक वर्ष बीत जाने के बाद किशोरी लाल उस पल को याद करते हैं जब वे चुनाव लड़ने को लेकर हिचक रहे थे और मैं कभी नहीं भूल सकता कि जब मैं चुनाव लड़ने को लेकर अनिच्छुक था, तब प्रियंका गांधी ने मुझसे क्या कहा। उन्होंने कहा कि दशकों तक मैंने गांधी परिवार के हर सदस्य के चुनाव में मेहनत की है। अब उनकी बारी है, अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। यह बताते हुए किशोरी लाल की आंखें भर आईं। इन दोनों के बीच एक समान शब्द है 'भइया'। यह एक विशेष रिश्ता है, जो वर्षों की कसौटियों पर खरा उतरा है। अगर इस रिश्ते को समझें तो पता चलता है कि दोनों एक-दूसरे को 'भइया' कहकर पुकारते हैं -किशोरी लाल, प्रियंका गांधी के लिए 'भइया जी' हैं तो प्रियंका उन्हें 'किशोरी भइया' कहती हैं। किशोरी लाल बताते हैं, =मैं हमेशा उन्हें भइया जी कहता आया हूं। जब भी कोई संदेश भेजना हो तो उन्हें भइया जी कहकर ही संबोधित करता हूं और वो मुझे किशोरी भइया कहती हैं। दरअसल, 1999 के चुनावों के दौरान जब वे सोनिया गांधी जी के साथ अमेठी आई थीं, तब मैंने एसपीजी से पूछा कि प्रियंका जी को कैसे संबोधित करें। उन्होंने बताया कि वह हमें हमेशा भइया जी कहती है, इसलिए हम भी उन्हें भइया जी कहने लगे, हमें लगा उन्हें यही पसंद है। बस तभी से मैंने उन्हें हमेशा भइया जी कहा है= पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान जो एक तस्वीर सबसे ज्यादा वायरल हुई, वह थी प्रियंका गांधी और किशोरी लाल का साथ भोजन करना। कांग्रेस की अमेठी में जीत न केवल पार्टी के लिए, बल्कि किशोरी लाल के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि रही है, खासकर तब जब संसदीय क्षेत्र के बाहर वे लगभग अज्ञात थे। सच तो यह है कि यदि उन्होंने स्मृति ईरानी जैसी चर्चित नेता को नहीं हराया होता तो शायद वे सुर्खियों में भी न आते। सभी मानकों पर देखें तो स्मृति ईरानी एक प्रभावशाली नेता हैं, उन्हें 2014 में स्वयं नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री के रूप में चुना था। इससे पहले वे दोनों सदनों की सांसद रह चुकी हैं। 2019 में जब स्मृति ईरानी ने अमेठी में राहुल गांधी को उनके ही गढ़ में पराजित किया तब वह सुर्खियों में छा गईं। तेज-तर्रार, मुखर और आक्रामक तेवरों वाली ईरानी राजनीति में वह महिला थीं जिन पर सबकी नज़र थी लेकिन पिछले साल परिस्थितियां बदल गईं, जब अमेठी में उन्हें किशोरी लाल शर्मा ने हराया, वही व्यक्ति जिसे उन्होंने कभी =गांधी परिवार का सेवक= कहकर खारिज कर दिया था। इस हार के बाद उनका राजनीतिक ग्राफ थम सा गया। उन्हें मोदी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली और इधर-उधर कुछ मामूली जिम्मेदारियां ही सौंपी गईं। सीधे शब्दों में कहें तो वे राजनीतिक रूप से हाशिये पर चली गईं। मगर ईरानी, ईरानी हैं? न तो वे समय नष्ट करने वालों में हैं, न ही किसी के सहारे की मोहताज। भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा निर्विवाद है और उनके अनुसार वे पार्टी की हर जरूरत के लिए हमेशा तैयार रहती हैं लेकिन उनकी पहचान यही रही है कि उन्होंने खुद को समय-समय पर नए रूप में ढाला है। राजनीति में आने से पहले वे एक जाना-पहचाना चेहरा थीं, एक ऐसी शख्सियत जिसे देश के ज्यादातर लोग पहचानते थे। जिन्हें यह जानकारी नहीं है, उनके लिए बता दें कि स्मृति ईरानी एकता कपूर के लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक 'सास भी कभी बहू थी' की मुख्य पात्र 'तुलसी विरानी' के रूप में जानी जाती थीं। यह धारावाहिक वर्षों तक भारत के घर-घर में देखा गया और 'तुलसी' हर परिवार का हिस्सा बन गईं। दरअसल, उन्हें 'तुलसी' की छवि से बाहर निकल कर 'स्मृति' के रूप में स्थापित होने में कई साल लग गए। करीब दो दशक लंबे राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद अब स्मृति ने फिर से अभिनय की ओर रुख किया है और वह भी उसी धारावाहिक के नए संस्करण के साथ जिसने उन्हें घर-घर पहुंचाया था। 2000 से 2008 के बीच 1800 से अधिक एपिसोड्स पूरे करने वाले इस शो में अब स्मृति फिर से 'तुलसी' की भूमिका निभाते नज़र आएंगी। इस महीने के अंत तक, 'तुलसी' यानी स्मृति एक बार फिर छोटे पर्दे पर लौट रही है, अपने अभिनय कौशल को नए रूप में सामने लाने और राजनीतिक छवि को थोड़े समय के लिए पीछे रखने के लिए। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि वह राजनीति छोड़ रही है।

ट्रम्प और नाटो की दादागिरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी दादागिरी के चलते टैरिफ लगाने की घोषणाएं कर विश्व व्यापार को अनिश्चितता के दौर में धकेल दिया है। एक तरफ भारत और अमेरिका में द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत चल रही है तो दूसरी तरफ ट्रम्प खुद भारत को धमकाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। जब से रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है तब से ही भारत का रूस से सस्ते में तेल खरीदना अमेरिका और उसके दुमछल्ले देशों को खटक रहा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर इस बात के लिए दबाव डाला था कि वह रूस से तेल पर अपनी निर्भरता कम करे लेकिन भारत ने दबाव के आगे झुकने से साफ इन्कार करते हुए अपने देश के हितों की रक्षा करने के लिए रूस से तेल खरीदना जारी रखा। अब नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील को धमकी दी है कि अगर इन्होंने रूस से तेल और गैस की खरीद जारी रखी तो इन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। नाटो महासचिव मार्क रूट ने साफ शब्दों में कहा कि मास्को में बैठा व्यक्ति अगर यूक्रेन के साथ युद्ध रोकने की सलाह को गंभीरता से नहीं लेता है, तो फिर उसे आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए कड़े टैरिफ लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि आप बीजिंग या दिल्ली में रहते हैं और या फिर चाहे ब्राजील के राष्ट्रपति हैं तो आपको इस पर विशेष रूप से ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि अगर ऐसा होता है तो सबसे ज्यादा आप तीन इससे प्रभावित हो सकते हैं। इसके साथ ही नाटो महासचिव ने तीनों देशों से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता के लिए गंभीरता से राजी कराने के प्रयास करने की भी अपील की। इससे पहले ट्रम्प ने रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए दबाव बनाते हुए कहा था कि अगर 50 दिनों के बाद भी युद्ध रोकने का कोई समझौता नहीं किया जाता तो वह रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाएंगे। दुनिया में चल रही टैरिफ वॉर के बीच नाटो का कूदना एक बड़ी चुनौती के समान है। पश्चिमी देशों का नेतृत्व अमेरिका और नाटो (नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन) जो मुख्य रूप से सैन्य और आर्थिक शक्ति का केन्द्र है। साफ है कि नाटो ने यह धमकी ट्रम्प के इशारे पर दी है। अब सवाल यह है कि क्या यह धमकी ब्रिक्स देशों और पश्चिमी देशों के बीच एक नए शीत युद्ध की शुरूआत है? ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संगठन ब्रिक्स इस समय उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को मंच देता है। यह संगठन अब 10 देशों का समूह हो चुका है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर 41 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। शीत युद्ध का मतलब है दो देशों या समूहों के बीच बिना सीधे युद्ध के तनाव, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक-सैन्य दबाव। 1945 से 1991 तक अमेरिका और सोवियत संघ के बीच चला शीत युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय दोनों पक्षों ने हथियारों की होड़, जासूसी और आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए एक-दूसरे को कमजोर करने की कोशिश की। अब ब्रिक्स और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ता तनाव कुछ वैसा ही दिख रहा है लेकिन यह आर्थिक और भू-राजनीतिक (जियोपॉलिटिकल) मुद्दों पर केंद्रित है। ब्रिक्स समूह लगातार अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए नई ब्रिक्स मुद्रा बनाने की बात कर रहा है ताकि डॉलर के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती दी जा सके। उसने अमेरिका के टैरिफ और इजराइल-ईरान युद्ध की भी निंदा की है। इससे अमेरिका और नाटो उसे अपना दुश्मन समझने लगे हैं। यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद ही पश्चिमी देशों ने रूस को व्यापारिक प्रतिबंधों में बांध दिया था। जिसके बाद भारत और चीन रूस के सबसे बड़े तेल खरीदार बन गए। 2023 में इन दोनों देशों ने रूस से समुद्री मार्ग से आने वाले क्रूड ऑयल के लगभग 85-90 प्रतिशत हिस्से का आयात किया। अकेले भारत हर दिन 1.6 से 1.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल रूस से खरीदता है, जो भारत की कुल दैनिक जरूरत का लगभग 35 प्रतिशत है। रूस भारत को भारी-भरकम डिस्काउंट पर तेल बेचता है, ऐसे में ट्रम्प की धमकी भारत की ऊर्जा रणनीति पर सीधा हमला करती है। जी-7 देशों ने पहले ही रूस तेल की कीमत पर 60 डॉलर प्रति बैरल का कैप लगा रखा है। इसलिए भारत 60 डॉलर प्रति बैरल से कम कीमत पर रूसी तेल खरीदता है, जबकि इंटरनेशनल मार्केट करीब 70 डॉलर प्रति बैरल तेल बिक रहा है। (कीमत 66 से 72 के बीच) ऐसे में समझा जा सकता है कि भारत को कितना फायदा हो रहा है। हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत से रूसी तेल का आयात जून महीने में 11 महीनों में उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। ट्रम्प और नाटो की चेतावनी भारत के लिए परेशानी पैदा करने वाली है। रूस हमारा परखा हुआ मित्र रहा है। भारत हर हाल में उसके साथ रहेगा। ट्रम्प जिस तरह से पाकिस्तान को गले लगा रहे हैं उसको लेकर भी भारत को सतर्क रहना होगा। भारत के लिए अभी यह भी देखना होगा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार पर होने वाला नया समझौता घरेलू अर्थव्यवस्था और व्यापार पर क्या असर डालता है।

भारत के पास समझौता करने के लिए एक अगस्त तक की मोहलत है। समझौते में जैनेटिकली मॉडिफाइड फसलों, डेयरी उत्पाद और दवा निर्यात जैसे मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है। भारत के सामने बहुत सी चुनौतियां है और विकल्प सीमित है। इसलिए भारत को सतर्क रवैया अपना कर आगे बढ़ना होगा। भारत ने हमेशा ही संतुलन की नीति अपनाई है। वह अपने मित्र रूस से गहरे संबंध बनाए रखेगा और साथ ही वह पश्चिम के भी पूरी तरह से खिलाफ नहीं जाना चाहता। भारत को एक बार फिर ऐसी धमकियों का जवाब अपनी स्वतंत्र नीतियों से देना होगा।

समोसा और जलेबी !

भारत में मोटापा लगातार बढ़ रहा है और एनएफएचएस (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे) के आंकड़ों में बताया गया है कि भारत में 2005-06 से 2019-21 के बीच पुरुषों में मोटापा 15 फीसदी से बढ़कर 24 फीसदी और महिलाओं में 12 फीसदी से बढ़कर करीब 23 फीसदी हो गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे कैंटीनों में डिस्प्ले बोर्ड लगाएं जो लोगों को उपलब्ध भोजन में वसा और चीनी की मात्रा के बारे में चेतावनी दें। यानी, समोसे, उनके कुरकुरे, जलेबी, परतदार क्रस्ट और भाप से भरी, मसालेदार फिलिंग के साथ, इस बात से आंका जाएगा कि उनमें कितनी ट्रांस फैट है और चाय जो दोपहर में स्फूर्तिदायक होती है, इस बात से कि उसमें कितनी चीनी है। इसका मकसद यह बताना है कि इन चीजों के नियमित सेवन से सेहत के ऊपर क्या नुकसानदेह असर पड़ सकते हैं। इस अभियान को सबसे पहले नागपुर के एम्स में शुरू किया जाएगा और फिर देश के अन्य शहरों में लागू किया जाएगा। इससे दो महीने पहले सीबीएसई ने सभी संबद्ध स्कूलों को निर्देश दिया था कि वे अपने-अपने यहां 'शुगर बोर्ड' लगाएं ताकि बच्चों में चीनी सेवन की मात्रा को कम किया जा सके। इन बोर्ड पर यह जानकारी दी जाएगी कि रोजाना कितनी चीनी खाना ठीक है, सामान्य खानों में कितनी चीनी होती है, ज्यादा चीनी खाने से क्या नुकसान हो सकते हैं और इसके बेहतर विकल्प क्या है। स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश के बाद समोसे और जलेबी इतने चर्चित हो गए कि लाखों लोगों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर समोसे और जलेबी का इतिहास खंगाल डाला। समोसा और जलेबी किस देश की उपज है और वह किस-किस देश की यात्रा करके भारत पहुंचा, इस संबंध में रोचक कहानियां भी सामने आ रही हैं। मानवता के इतिहास में भोजन पहले कभी इतना प्रचुर नहीं रहा और फिर भी यह कभी भी अपने और अपने शरीर के बारे में हमारी जटिल भावनाओं के बोझ तले दबा नहीं रहा। हम खुद से कहते हैं कि हम एक और चम्मच आइसक्रीम के हकदार नहीं हैं क्योंकि हम उस दिन 10,000 कदम भी नहीं चल पाए। हम पिज्जा और केक खाकर अपनी डाइट में धोखा देते हैं और बेक्ड फिश और स्टीम्ड ब्रोकली के साथ एक चम्मच चावल से ज्यादा कुछ न खाने पर भी गर्व महसूस करते हैं। भूख अब एक जैविक अनिवार्यता नहीं रही, वह एक हिसाब-किताब है,स्थूल और सूक्ष्म पोषक तत्वों का, खाली कैलोरी का, अच्छे और बुरे वसा का। इस पहल के जरिए अब यह जानकारी साफ तौर पर सामने रखी जाएगी ताकि लोग इसे देखने के बाद सोच-समझकर खाएं, ठीक वैसे ही जैसे सिगरेट के पैकेट पर चेतावनी दी जाती है। हालांकि, अगर सख्त कानून और जरूरी नीतियां लागू न हों तो सिर्फ जागरूकता फैलाने से आदतें नहीं बदलतीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी को मन की बात के 119वें एपिसोड में हेल्थ का जिक्र करते हुए कहा था कि एक फिट और स्वस्थ भारत बनने के लिए हमें ओबेसिटी (मोटापा) की समस्या से निपटना ही होगा। पीएम ने कहा था कि एक स्टडी के मुताबिक आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने कन्हा ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2011/00882)

डायट सभागार में एफएलएन प्रशिक्षण का हुआ भव्य समापन

शिक्षकों को सौंपी गई गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जिम्मेदारी

देवरिया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) सभागार, रामपुर कारखाना में शुक्रवार को पाँच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) प्रशिक्षण का सफल समापन हुआ। यह प्रशिक्षण प्राथमिक शिक्षा में भाषा और गणित की नींव को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित किया गया, जिसमें प्रतिभागी शिक्षकों ने पूरे मनोयोग से हिस्सा लिया। पाँचवे और अंतिम दिन की शुरुआत एसआरजी शीला चतुर्वेदी द्वारा अंग्रेजी विषय की पाठ्यपुस्तकों की व्याख्या से हुई। उन्होंने पुस्तकों की संरचना, अध्यापन पद्धतियों और व्यावहारिक उपयोगिता को विस्तार से समझाया। इसके बाद के सत्र में एसआरजी डॉ. आदित्य नारायण गुप्त ने अभ्यास कार्यों पर केंद्रित सत्र को संबोधित करते हुए प्रतिभागियों को कार्यपत्रक, टीएलएम (शिक्षण सहायक सामग्री) और गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण को अधिक प्रभावशाली बनाने की दिशा में मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य अनिल कुमार सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब इसकी शिक्षण तकनीकें जनपद के प्रत्येक विद्यालय तक प्रभावी रूप में पहुँचें। शिक्षकों के माध्यम से यह नवाचार बच्चों के ज्ञान की नींव को मजबूती देगा। प्रशिक्षण प्रभारी अनिल कुमार तिवारी ने भाषा और गणित के शिक्षण को क्रियात्मक, सहज और बालकेन्द्रित बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एफएलएन प्रशिक्षण बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान विकसित करने का सशक्त माध्यम है। कार्यपत्रकों, चार्ट्स, बिग बुक और अन्य शिक्षण संसाधनों से शिक्षण अधिक प्रभावशाली बन सकता है। प्रशिक्षण में सन्दर्भदाता राकेश कुमार सिंह और आदर्श कुमार सिंह ने वीडियो क्लिप्स के माध्यम से शिक्षण विधियों को रोचक रूप में प्रस्तुत किया। उनके प्रयासों से शिक्षकों को दृश्यात्मक माध्यमों से पढ़ाने की प्रेरणा मिली। इस अवसर पर पद्माकर मिश्र, संदीप कुमार जायसवाल, सुधाकर मिश्र, अमित मिश्र, चंदन गुप्त, अखिलेश गुप्त, रामबहादुर, अजीत श्रीवास्तव, ओपी शुक्ला, अजीत यादव सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे जिन्होंने अपने अनुभवों और विचारों को साझा किया।

बदलापुर खुर्द में स्कूल चलो अभियान व वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

जौनपुर ।

कंपोजिट विद्यालय बदलापुर खुर्द, विकासखंड बदलापुर में आज स्कूल चलो अभियान, बृहद नामांकन अभियान, वृक्षारोपण तथा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल मुख्य अतिथि के रूप में तथा समस्त खंड शिक्षा अधिकारी विशिष्ट उपस्थिति में शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन खंड शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद कुमार पांडे के नेतृत्व में किया गया। विशेष अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान चौधरी रजक व विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ललित कुमार मौर्य ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारीगण व शिक्षकों ने मुस्लिम बस्ती व हरिजन बस्ती में घर-घर जाकर बच्चों का नामांकन किया।

नामांकन प्राप्त करने वाले प्रमुख बच्चों में

प्रज्ञा (पुत्री अनिल कुमार), इकरा बानो व सादिया (पुत्री मोहम्मद अफजल), लक्ष्मी गुप्ता (पुत्री संजीत गुप्ता), अनुष्का (पुत्री दिलीप गुप्ता), खुशी अग्रहरी (पुत्री महेश कुमार), हमर (पुत्र हमीं), सुजान (पुत्र मुस्तकीम), इकरा (पुत्री मुस्तकीन), हार्दिक गुप्ता (पुत्र विष्णु प्रसाद), दिव्यांश व रिया (पुत्र/पुत्री सुनील जायसवाल), विराट व प्रिया (पुत्र/पुत्री अशोक), तनवीर (पुत्र सदरे आलम) आदि के नाम उल्लेखनीय रहे।

नामांकित बच्चों को बीएसए द्वारा कॉपी, कलम व मिठाई भेंट की गई। तत्पश्चात जागरूकता रैली निकाली गई, जो विद्यालय प्रांगण में समाप्त हुई। वहां उपस्थित अधिकारीगण ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता तथा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक श्री राधेश्याम चौरसिया, समस्त शिक्षकगण, शिक्षामित्र, अनुदेशक, तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूर्ण रूप से सहयोग में लगे रहे। अंत में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ललित कुमार मौर्य एवं ग्राम प्रधान चौधरी रजक ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्री सत्यदेव सिंह की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

रविंद्र नगर विद्युत उपकेंद्र की बिजली सुबह 6:00 से लेकर 9:00 तक रहेगी बाधित

19 से 21 जुलाई तक पेड़ों की डालियों की होगी कटाई

पडरौना,कुशीनगर। रविंद्र नगर विद्युत उपकेंद्र से सप्लाई होने वाली बिजली दिनांक 19 जुलाई से 21 जुलाई तक सुबह 6:00 से लेकर 9:00 तक बाधित रहेगी। अधिशासी अभियंता पडरौना संजय सागर के हवाले से जे ई विद्युत रविंद्र नगर पिंटू बिंद ने जानकारी देते हुए बताया कि 33 द्य1 सहित अन्य तारों के ऊपर आ गई पेड़ों की डोलियां की कटाई की जाएगी जिससे बार-बार के ब्रेकडाउन की समस्या से बचा जा सके। उन्होंने उपकेंद्र के सभी उपभोक्ताओं से सहयोग एवं शांति की अपील की है।

मंदिर जाने पर अपशब्द , बच्चों की चोट से टूटी चुप्पी हिंदू महिला ने लगाए उत्पीड़न के गंभीर आरोप

देवरिया ।

रामपुर कारखाना के मस्जिद वार्ड में एक हिंदू महिला द्वारा लगाए गए उत्पीड़न और धार्मिक अपमान के आरोपों ने इलाके में सामाजिक सौहार्द पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थनीय निवासी पीड़िता प्रियंका मिश्रा तीन छोटे बच्चों की माँ हैं। शुक्रवार को स्थानीय पुलिस प्रशासन को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उन्हें और उनके परिवार को मुसलमान बहुल मुहल्ले में योजनाबद्ध तरीके से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

प्रियंका मिश्रा के अनुसार, उनके पति शैलेन्द्र मिश्रा रोजगार के सिलसिले में चेन्नई में रहते हैं, और वह स्वयं अपने ससुराल में अपनी सास, ससुर और बच्चों के साथ रह रही हैं। पीड़िता का कहना है कि मुहल्ले के कुछ मुस्लिम परिवार आये दिन मुझसे कहते हैं कि मैं यह मोहल्ला छोड़ दूं। मेरे घर के

सामने जानबूझ कर जबरदस्ती सीढ़ी बनाकर रास्ता रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से सकलैन नामक व्यक्ति और उनके परिजनों पर आरोप लगाया है कि पहले भी जब नगर पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाया गया, तो उन्होंने दोबारा उसी स्थान पर एक और सीढ़ी का निर्माण करा दिया। इस सीढ़ी से 15 जुलाई को प्रियंका के बच्चों को चोट लग गई, जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई। जब मैंने गुस्से में दो-तीन ईंटें तोड़ीं, तो वे लोग मुझे मारने के लिए दौड़ पड़े। पीड़िता ने यह भी कहा कि मैं जब मंदिर जाती हूं तो धार्मिक अपशब्द कहकर मुझे अपमानित किया जाता है। यह सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि मेरी आस्था का भी अपमान है। इस पूरे मामले को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। दोनों पक्षों को समाधान दिवस पर थाने बुलाया गया है।आमने सामने बैठाकर समाधान कराया जाएगा। इस मामले ने एक बार फिर से धार्मिक असहिष्णुता और अल्पसंख्यक इलाकों में बहुसंख्यकों की स्थिति को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। एक महिला जो न सिर्फ अकेली रह रही है बल्कि छोटे बच्चों की परवरिश भी कर रही है, उसे जब धार्मिक विश्वास और सामाजिक सुरक्षा दोनों पर चोट झेलनी पड़े तो प्रशासन की जिम्मेदारी और अधिक गंभीर हो जाती है।

सीसीटीएनएस कार्यालय का निरीक्षण कर बोले एसपी विक्रान्त वीर – डिजिटल पुलिसिंग से बढ़ेगी पारदर्शिता और जवाबदेही

देवरिया ।पुलिसिंग में पारदर्शिता जवाबदेही और तकनीकी दक्षता को लेकर गंभीर माने जाने वाले देवरिया के पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय स्थित सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) कार्यालय का निरीक्षण कर पूरी कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रविष्टियों से लेकर केस डायरी और चार्जशीट की डिजिटल स्थिति तक का मूल्यांकन किया। एसपी विक्रान्त वीर ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि एफआईआर फीडिंग, केस डायरी, चार्जशीट प्रविष्टि और न्यायालय से संबंधित डेटा अद्यतन कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या तकनीकी त्रुटि न हो। उन्होंने कहा कि सीसीटीएनएस केवल एक तकनीकी प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रिया की रीढ़ है। निरीक्षण में उन्होंने यह भी देखा कि कितने मामले अब तक डिजिटल रूप से फीड किए जा चुके हैं और किन पर अभी कार्य किया जाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रविष्टियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए और डाटा की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा, सीसीटीएनएस के जरिए अपराध और अपराधियों से जुड़ी सूचनाएं अब कागजों से निकलकर कंप्यूटर स्क्रीन पर आ गई हैं। यह सिस्टम केवल पुलिस के लिए नहीं, आमजन के लिए भी अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि इससे त्वरित सेवा और पारदर्शी न्याय सुनिश्चित होता है। उन्होंने इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों से कहा कि वे नियमित रूप से तकनीकी प्रशिक्षण लेते रहें, जिससे सिस्टम में दक्षता बनी रहे और किसी भी स्तर पर जानकारी के आदान-प्रदान में कोई रुकावट न हो।

जौनपुर पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूक

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ के निर्देशानुसार चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष अभियान जारी है। शुक्रवार को जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम, कस्बा, मोहल्ला, शिक्षण संस्थानों सहित कई ऐसे जगहों पर भ्रमण/चौपाल लगाकर छात्राओं/बालिकाओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान देखा गया कि महिला पुलिस ने वूमेन पावर लाइन-1090, यूपी-112 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दिया। साथ ही छात्राओं, युवतियों, बालिकाओं एवं महिलाओं को जागरूक किया।

पेड़ से गिरने पर टूटी गर्दन, डाक्टरों की टीम ने दी नयी जिन्दगी

शाहगंज, जौनपुर।

स्थानीय तहसील क्षेत्र के नौली गांव निवासी 60 वर्षीय राम नयन पेड़ पर चढ़ते समय अचानक नीचे गिर पड़े जिससे उनकी गर्दन की हड्डी बुरी तरह टूट गई। यह दर्दनाक घटना पूरे परिवार के लिए गहरा आघात लेकर आयी लेकिन शाहगंज नगर में स्थित आर.के. हॉस्पिटल में डॉ. जेपी दुबे के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम ने कठिन ऑपरेशन कर उन्हें नया जीवनदान दिया। इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली टीम में डॉ. जेपी दुबे (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ. अरविंद अग्रहरि (न्यूरो सर्जन), डॉ. सुनील दुबे (जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन) एवं शाहबाज नसीम (एनेस्थेटिस्ट) शामिल रहे।

डाक्टर के अनुसार आपरेशन की सफलता के बाद मरीज अब धीरे-धीरे स्वस्थ हो रहे हैं। परिजनों ने बताया कि हादसे के बाद वे पूरी तरह निराश हो गए थे परंतु डॉक्टरों की मेहनत और विशेषज्ञता ने उन्हें फिर से उम्मीद की रौशनी दिखाई। उन्होंने आर.के. हॉस्पिटल व डॉक्टरों की पूरी टीम का आभार प्रकट किया। वहीं दूसरी ओर परिजनों ने इस सफलता पर प्रसन्नता जताते हुये कहा कि शाहगंज जैसे क्षेत्र में अब बड़े शहरों जैसा इलाज मिलना बड़ी उपलब्धि है।

शाहगंज जैसे क्षेत्र में अब बड़े शहरों जैसा उपचार मिलना आसानः डा. जेपी दुबे

डॉ. दुबे समेत 4 विशेषज्ञों ने किया सफल आपरेशन, परिजनों के चेहरे पर छायी खुशी

असम (सक्षम भारत) कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गाँधी ने अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ गुवाहाटी में राजनीतिक मामलों की समिति, पीसीसी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, फ्रंटल संगठन प्रमुख और जिला अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिया। छाया -सक्षम भारत

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को फटकार, नई अदालतों का निर्माण न होने से सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मौजूदा अदालतों को विशेष अदालतें घोषित करने पर केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की खिंचाई की और विशेष मामलों की सुनवाई के लिए नई अदालतें नहीं खोलने पर नाराजगी जाहिर की। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे से कहा कि अगर मौजूदा अदालतों में एनआईए अधिनियम के तहत विशेष मुकदमों के लिए सुनवाई होगी तो वर्षों तक जेल में बंद विचाराधीन कैदियों और हाशिए पर पड़े लोगों, वैवाहिक विवादों के मामलों पर सुनवाई अटकी रहेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये समय की मांग है कि अधिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाए, न्यायाधीशों और कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए और सरकार द्वारा पदों को मंजूरी दी जाए। पीठ ने कहा, अगर अतिरिक्त अदालतें नहीं बनाई गईं, तो अदालतें विशेष कानूनों के तहत दर्ज अभियुक्तों को जमानत देने के लिए मजबूर होंगी क्योंकि मुकदमों के जल्दी निपटारे के लिए कोई प्रभावी तंत्र नहीं है। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को एनआईए, मकोका और यूएपीए जैसे विशेष कानूनों के तहत विशेष अदालतों की स्थापना के लिए एक उचित प्रस्ताव तैयार करने का आखिरी मौका दिया है। केंद्र और महाराष्ट्र सरकार को चार हफ्तों बाद इस मामले में अपना जवाब दाखिल करना है। इससे पहले 23 मई को भी सुप्रीम कोर्ट ने विशेष मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के निर्माण की बात कही थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जघन्य और गंभीर मामलों की जल्द सुनवाई का एकमात्र तरीका विशेष अदालतों की स्थापना करना है जहां केवल विशेष कानूनों से संबंधित मामलों की सुनवाई की जा सके। शीर्ष अदालत महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के एक नक्सल समर्थक कैलाश रामचंदानी की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। साल 2019 में एक आईईडी विस्फोट में 15 पुलिसकर्मियों के मारे जाने के बाद कैलाश रामचंदानी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मानसिक रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों और आवश्यकताओं की रक्षा से संबंधित 2017 के कानून को लागू करने के लिए दायर जनहित याचिका में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पक्षकार बनाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने याचिकाकर्ता गौरव कुमार बंसल से कहा कि वह 2018 में दायर जनहित याचिका में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पक्षकार बनाने के लिए एक आवेदन दायर करें। पीठ ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 को लागू करने हेतु जनहित याचिका को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को हस्तांतरित किया जा सकता है। बंसल ने कहा कि क्रियान्वयन की निगरानी के लिए शीर्ष न्यायालय के एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जा सकती है। पीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रही अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से बंसल के साथ अपना हलफनामा साझा करने को कहा और सुनवाई तीन हफ्ते के लिए टाल दी।

पटना से दिल्ली के लिए शुरु हुई अमृत भारत ट्रेन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार और पूर्वी भारत को नई सौगात देते हुए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत की है। बिहार से नई दिल्ली तक बेहतर कनेक्टिविटी और सस्ती यात्रा सुविधा देने के लिए यह ट्रेन चलाई जा रही है। आज इसे उद्घाटन विशेष ट्रेन के तौर पर रवाना किया गया, जबकि 31 जुलाई से पटना से नई दिल्ली के बीच इसका नियमित संचालन शुरू होगा। वहीं 1 अगस्त से नई दिल्ली से पटना के लिए भी यह ट्रेन रोजाना चलेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने आज ही दरभंगा से लखनऊ, मादला टाउन से लखनऊ और सहरसा से अमृतसर के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हम न डरेंगे, न झुकेंगे; बेटे चैतन्य की गिरफ्तारी पर भड़के पूर्व सीएम बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने राज्य में कथित करोड़ों रुपये के शराब घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह गिरफ्तारी ईडी की जांच में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जो पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य के शराब व्यापार से जुड़ी एक बड़ी भ्रष्टाचार योजना में कथित रूप से शामिल अधिकारियों और सहयोगियों के नेटवर्क को निशाना बना रही है। वहीं, भूपेश बघेल ने शुक्रवार को अपने आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के बीच देश में विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए

मोदी सरकार पर निशाना साधा। संघीय जांच एजेंसी ने दुर्ग जिले के भिलाई शहर में बघेल के घर पर उनके बेटे चैतन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच से जुड़े कथित शराब घोटाले के सिलसिले में फिर से छापेमारी की। कांग्रेस नेता ने कहा कि ईडी पहले भी आई थी। उन्हें मेरे घर से 33 लाख रुपये मिले थे। अब वे फिर से आए हैं... हम पूरा सहयोग करेंगे क्योंकि हम लोकतंत्र और न्यायपालिका में विश्वास करते हैं। वे (भाजपा) एजेंसी का दुरुपयोग कर रहे हैं, लेकिन हम उनका सहयोग करेंगे। मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए बघेल ने कहा कि अडानी से जुड़ा एक मामला सामने आया है। उन्हें खुश करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मेरे आवास पर ईडी भेजा है। हम डरेंगे नहीं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, भूपेश बघेल न टूटेगा न झुकेगा। हम उनके सामने नहीं झुकेंगे। वे देश के सभी विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। इससे पहले, बघेल ने एक्स पर छापों की पुष्टि करते हुए लिखा, ईडी आ गई। उन्होंने लिखा, विधानसभा सत्र के आखिरी दिन ईडी उनके घर आई थी, जब रायगढ़ जिले की तमनार तहसील में अडानी समूह की कोयला खदान परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठाया जाना था।

लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत में कार्यवाही पर रोक लगाने से न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी रद्द करने की उनकी याचिका पर सुनवाई में तेजी लाने को कहा। शीर्ष अदालत ने मामले में यादव को निचली अदालत में पेशी से छूट भी प्रदान की। गत 29 मई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई ठोस कारण नहीं है। उच्च न्यायालय ने एजेंसी की प्राथमिकी रद्द करने की यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और सुनवाई 12 अगस्त के लिए स्थगित कर दी। यह मामला 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य क्षेत्र में ग्रुप 'डी' की नियुक्तियों से संबंधित है। ये नियुक्तियां कथित तौर पर राजद अध्यक्ष के परिवार या सहयोगियों के नाम पर उपहार में दी गई या हस्तांतरित की गई जमीन के बदले में की गई थीं।

महिलाओं को पिछड़ी परंपराओं से मुक्त करना जरूरी : मोहन भागवत

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण बेहद जरूरी है और उन्हें पुरानी व पिछड़ी सोच वाली परंपराओं से मुक्त किया जाना चाहिए। वे महाराष्ट्र के सोलापुर में उद्योगवर्धिनी नाम के एक गैर-सरकारी संगठन की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मोहन भागवत ने कहा, महिलाएं किसी भी समाज का सबसे अहम हिस्सा होती हैं। पुरुष जीवनभर काम करता है, महिला भी जीवनभर काम करती है, लेकिन उससे आगे जाकर वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती है। बच्चों के मन और संस्कार मां के स्नेह में ही विकसित होते हैं।

मेरे बहनोई को 10 साल से परेशान कर रही सरकार, नई चार्जशीट उसी उत्पीड़न का हिस्सा, राहुल का हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर अपने बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को परेशान करने का आरोप लगाया। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में रॉबर्ट के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल ने सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने कहा कि अंत में सच्चाई की जीत होगी। उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और उनका परिवार किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करेगा। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे बहनोई को पिछले 10 साल से यह सरकार परेशान कर रही है। यह हालिया आरोप-पत्र उसी प्रताड़ना अभियान का एक और हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा, मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ खड़ा हूं, क्योंकि उन्हें दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित एक और हमला झेलना पड़ रहा है। मुझे पता है कि वे सभी किसी भी तरह की मुसीबत का सामना करने के लिए पर्याप्त बहादुर हैं।

वे हिम्मत और गरिमा के साथ ऐसा करते रहेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, अंततः सच्चाई की जीत होगी। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को एक आपराधिक मामले में 56 साल के रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की।

संघीय जांच एजेंसी ने राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात में स्थित 43 अचल संपत्तियों को भी जब्त किया, जिनकी कीमत 37.64 करोड़ रुपये है। ये संपत्तियां रॉबर्ट वाड्रा और स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड जैसी उनकी संबंधित संस्थाओं से संबंधित हैं।

पप्पू यादव का नीतीश सरकार और बीजेपी पर हमला- बिहार का सौदा बंद करो, ये दोनो गिद्ध हो गए हैं!

पटना। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने राज्य में बढ़ते अपराध और हाल ही में हुए पारस अस्पताल गोलीकांड को लेकर भाजपा और नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा को घेरते हुए कहा कि वे बिहार का सौदा करना बंद करें और उन्हें बिहार के लिए गिद्ध करार दिया। पप्पू यादव ने दावा किया कि बिहार में मौजूदा सरकार के दौरान लालू यादव के शासनकाल से भी कई गुना ज्यादा अपराध हो रहे हैं। उन्होंने पारस अस्पताल में दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की घटना का हवाला देते हुए कहा कि अस्पतालों में भी मरीज सुरक्षित नहीं हैं। सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता और पदाधिकारी दोनों ही बिहार के अपराधों में शामिल हैं और भाजपा पार्टी माफियाओं से भरी पड़ी है। यादव ने कहा कि फिल्म की स्टाइल

में पांच लोग पारस अस्पताल में खुलेआम एक मरीज को मार कर चले जाते हैं लेकिन सरकार शांत रहती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस बार के चुनाव में कानून व्यवस्था सबसे बड़ा मुद्दा होगा। राहुल गांधी के बिहार को क्राइम कैपिटल कहने का संदर्भ देते हुए पप्पू यादव ने कहा कि लालू जी का मामला 20 साल पुराना था, लेकिन आज के समय में जिस तरह से अपराध बढ़ रहा है, वह ज्यादा चिंताजनक है। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने अपराध के मौजूदा स्वरूप को संगठित क्राइम बताया। उन्होंने कहा कि पहले के अपराध अलग थे, लेकिन आज के अपराध में नेता और पदाधिकारी दोनों की संलिप्तता है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नेता का किडनैप और बेडरूम माफिया चला रहा है। पप्पू यादव ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की नहीं, बल्कि भाजपा और इंस्पेक्टर राज की सरकार है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जी ने कभी सरकार चलाई ही नहीं, वह तो सिर्फ शैडो लोग चला रहे हैं। यादव ने दोहराया कि बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है। सांसद ने धमकियों से न डरने की बात कही और दृढ़ता से बोले, मैं तो मरने के लिए हूं। मैं बिहार को मरके बचाऊंगा। उन्होंने महाराष्ट्र, असम और गुजरात में बिहारियों पर हो रहे हमलों का भी जिक्र किया। यादव ने स्पष्ट किया कि अभी उनका ध्यान इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर नहीं है बल्कि अपराध पर अंकुश लगाने पर है और उन्होंने घोषणा की कि वे विधानसभा नहीं चलने देंगे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और वे सब मिलकर लड़ेंगे और एनडीए को हराएंगे। पप्पू यादव ने बिहार की मौजूदा दुर्दशा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि बिहार से ढाई करोड़ से ज्यादा लोगों का पलायन हुआ है। राज्य में चीनी मिलें, सिगरेट फैक्ट्रियां, जूट फैक्ट्रियां, सब बंद हो गई हैं। बिहार में गरीबी और बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि जब चुनाव आता है तो बिहार की याद आती है।

गीता स्थली ज्योतिसर बनेगा विश्व का भव्य और यादगार ऐतिहासिक पर्यटन स्थल - नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता स्थली ज्योतिसर विश्व का भव्य, यादगार और ऐतिहासिक स्थल बनेगा। इस गीता स्थली को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए सरकार की तरफ से करीब 250 करोड़ रुपये का बजट खर्च किया जा रहा है। यहां पर ज्योतिसर अनुभव केंद्र में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को कुरुक्षेत्र के इतिहास के जीवंत दर्शन होंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र का दौरा कर स्वागत कक्ष, महाकाव्य सृजन कक्ष, प्राचीन महाभारत, कुरुवंशावली, गीता श्लोक, कृष्ण भूमिका, दशव अवतार सहित अन्य कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे।

***मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केन्द्र का किया निरीक्षण, पर्यटन विभाग के अधिकारियों से बारीकी से लिया फीडबैक**

***देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को होंगे ज्योतिसर अनुभव केंद्र में जीवंत इतिहास के दर्शन**

***प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत को मिली मजबूती : मुख्यमंत्री**

पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती कला रामचंद्रन ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ज्योतिसर अनुभव केंद्र के साथ-साथ अन्य कक्षों के छोटे-छोटे निर्माण कार्य को पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधूरे निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केंद्र को पर्यटकों के लिए खोला जा सके। मुख्यमंत्री ने ज्योतिसर अनुभव केंद्र को विश्व दर्शनीय स्थल बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि तमाम विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए ताकि ज्योतिसर अनुभव केन्द्र में पर्यटक महाभारत और कुरुक्षेत्र के इतिहास के दर्शन कर सकें। इसके अलावा, मुख्यमंत्री गीता ज्ञान संस्थानम में पहुंचे और गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद से बातचीत की है। इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते

हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरा से गीता के उपदेश दिए। इस पावन धरा के इतिहास को जहन में रखते हुए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में विकास कार्यों को तेज गति के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली है। इस देश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए सरकार की तरफ से ज्योतिसर में महाभारत थीम पर आधारित प्रोजेक्ट पर करीब 250 करोड़ रुपए का बजट खर्च किया जा रहा है।

इस ज्योतिसर गीता स्थली को विश्व का सबसे दर्शनीय ऐतिहासिक स्थल बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से कुरुक्षेत्र आगमन के लिए आग्रह किया है, अगर प्रधानमंत्री इस आग्रह को स्वीकार करते हैं तो कुरुक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण होगा। उन्होंने कहा

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र में श्री श्री कृपा बिहारी मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए। (18.07.2025)

कि कल्पना चावला तारामंडल को पुन पर्यटकों के लिए जल्द खोलने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे। इस पावन धरा से दुनिया को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों से कर्म करने का संदेश मिल रहा है। पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, पर्यटन विभाग के निदेशक डॉ. शालीन, उपायुक्त नेहा सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुंबई जैसा बनेगा मोतिहारी : मोदी

वेबवार्ता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव से पहले बिहार दौरे पर हैं. उन्होंने शुक्रवार को मोतिहारी में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और आरजेडी की सरकारों ने हमेशा बिहार को लूटने का काम किया था, वह लोग बिहार से बदला ले रहे थे. पीएम मोदी ने करोड़ों रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि पटना को पुणे की तरह और गया को गुरुग्राम जैसा बनाएंगे.

प्रधानमंत्री मोदी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, ये धरती चंपारण की धरती है. इस धरती ने इतिहास बनाया है. आजादी के आंदोलन के इस धरती ने गांधी जी

सभी ने लूटने का काम किया, बिहार चुनाव से पहले पीएम मोदी ने मोतिहारी में कांग्रेस-आरजेडी पर कसा तंज

को नई दिशा दिखाई. अब इसी धरती की प्रेरणा बिहार का नया भविष्य भी बनाएगी. आज यहां से 7 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ है. मैं आप सभी को और सभी बिहारवासियों को इन विकास परियोजनाओं की बहुत-बहुत बधाई देता हूं. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार की धरती आंदोलन की धरती है. अब यही धरती बिहार

को विकास की नई दिशा देगी. राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है. कांग्रेस आरजेडी की सरकार ने हमेशा बिहार को लूटने का काम किया था. 2014 के बाद आपने केंद्र में मुझे सेवा का मौका दिया, हमने बदला लेने वाली इस राजनीति को समाप्त कर दिया. आज की पीढ़ी को यह जानना जरूरी है कि दो दशक पहले बिहार के हक का पैसा कैसे लूटा गया. पीएम मोदी ने मुंबई और गुरुग्राम जैसे शहरों का जिक्र करते हुए कहा, हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी का नाम हो. जैसे अवसर गुरुग्राम में है, वैसे ही अवसर गया जी में भी बनें. पुणे की तरह पटना में भी औद्योगिक विकास हो. सूरत की तरह ही संथाल परगना का भी विकास हो. जयपुर की तरह जलपाईगुड़ी और जाजपुर में भी टूरिज्म के नए रिकॉर्ड बनें. बेंगलुरु की तरह बीरभूम के लोग भी आगे बढ़ें. उन्होंने कहा, 21वीं सदी में दुनिया बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है. एक समय जो ताकत केवल पश्चिमी देशों के पास होती थी, उसमें अब पूरब के देशों का दबदबा और भागीदारी बढ़ रही है. पूरब के देश अब विकास की नई रफ्तार पकड़ रहे हैं. जैसे दुनिया में पूर्वी देश विकास की दौड़ में आगे जा रहे हैं, वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है.

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत, यह श्रद्धालुओं को बदनाम करने की कोशिश- योगी

लखनऊ। (वेबवार्ता) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के तीर्थयात्रियों को मीडिया ट्रायल से गुजरना पड़ता है, उन्हें बदनामकिया जाता है और यहां तक कि अपराधी और आतंकवादी करार दिया जाता है। योगी ने कहा कि निम्नतम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक, हर व्यक्ति इस कांवड़ यात्रा से जुड़ा है। यह एकता का अद्भुत प्रदर्शन है। इसमें जाति, क्षेत्र, वर्ग, धर्म या समुदाय का कोई भेदभाव नहीं है। हालांकि, मीडिया ट्रायल हो रहा है और कांवड़ यात्रा को बदनाम किया जा रहा है। योगी ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रियों को अपराधी और आतंकवादी तक करार दिया जा रहा है। यह उस मानसिकता को दर्शाता है जो हर तरह से भारत की विरासत को कलंकित करना चाहती है। कांवड़ यात्रा भारत में एक प्रमुख वार्षिक हिंदू तीर्थयात्रा है, जिसके दौरान भगवान शिव के भक्त, जिन्हें कांवड़िये कहा जाता है, गंगा जैसी पवित्र नदियों से पवित्र जल इकट्ठा करने के लिए पैदल यात्रा करते हैं और उसे श्रावण के पवित्र महीने में शिव मंदिरों, विशेष रूप से शिवलिंगों पर चढ़ाने के लिए वापस ले जाते हैं। यह यात्रा आध्यात्मिकता, धैर्य और उत्सव का मिश्रण है, लेकिन कई बार यह झड़पों, शोरगुल वाले जुलूसों और सड़क अवरोधों से भी जुड़ी रही है, जिसके कारण इसकी आलोचना हुई है और नियमन की मांग की गई है। इस दौरान उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, हरियाणा और दिल्ली जैसे उत्तरी भारतीय राज्यों में यातायात परिवर्तन और सार्वजनिक सुरक्षा उपायों सहित